श्रुत आराधक भाग 5 (नमूना प्रश्नोत्तर-1)

आगम (श्री उत्तराध्ययन सूत्र-अध्ययन 29वाँ, पृष्ठ 4-8)

I. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए

(1) इह खलु सम्मत्त ..... पवेइए

(2) अणुत्तराए धम्म सद्धाए ..... लोभे खवेइ

(3) फासइत्ता पालइत्ता ..... अणुपालइत्ता

II. सही क्रम बताइए (4-8)

(A) पडिपुच्छणया (B) उवहिपच्चवखाणे (C) धम्मसद्धा

(D) सरीरपच्चक्खाणे (E) परियट्टणया

कर्मविपाक का थोकड़ा (पृष्ठ 5-9)

III. सही विकल्प चुनिए

(9) आत्मा के मिथ्यात्वादि शुभाशुभ परिणामों को क्या कहते हैं?

(A) द्रव्य कर्म (B) भाव कर्म (C) भव कर्म (D) इनमें से कोई नहीं

(10) आठ कर्मों की 158 उत्तर प्रकृतियाँ में नाम कर्म की कितनी प्रकृतियाँ हैं?

(A) 93 (B) 98 (C) 103 (D) 108

(11) जिससे जीव प्रकर्ष रूप से उन्माद भाव को प्राप्त करता है, उसे क्या कहते हैं?

(A) प्रमाद (B) आलस्य (C) कषाय (D) योग

IV. सही जोड़ी मिलाईये

	उत्तरप्रकृतियाँ	कर्म	सही जोड़ी
(12)	नपुंसक वेद	(A) आयु	.....
(13)	दुःस्वर	(B) दर्शनमोहनीय	.....
(14)	स्त्यानर्द्धि	(C) नाम	.....
(15)	भोगान्तराय	(D) गोत्र	.....
(16)	उच्च गोत्र	(E) नोकषाय मोहनीय	.....
(17)	सम्यक्मिथ्या मोहनीय	(F) अन्तराय	.....
		(G) ज्ञानावरणीय	
		(H) दर्शनावरणीय	

गमक का थोकड़ा (तथ्य)

V. सही या गलत

(18) युगलिक की जीवनपर्यन्त दृष्टि नहीं बदलती है?

(19) अपर्याप्त अवस्था में कोई भी जीव की अंगुल के असंख्यात्वें भाग से ज्यादा अवगाहना नहीं हो सकती है?

(20) ऋषभनाराच संहनन वाला नैरयिक में चौथी पृथ्वी तक एवं देव में भवनपति से 12वें देवलोक तक ही जा सकता है?

सही उत्तर:(1)परक्कमे नामं अज्झयणे समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं (2) संवेगं हव्व-मागच्छइ। अणंताणुबंधि कोह-माण-माया (3)तीरित्ता कित्तइत्ता सोहइत्ता आराहइत्ता आणाए (4)-(8) C,A,E,B,D (9) B, (10) C, (11) A, (12) E, (13) C, (14) H, (15) F, (16) D, (17) B, (18) सही (19) सही (12) गलत

सूचनाः- श्रुत आराधक भाग-4 की दूसरे अवसर की परीक्षा निर्धारित केन्द्रों पर 3 नवम्बर 2019 को दोपहर 2 से 4 बजे रखी गयी है। 2 से 3 क्लोज बुक और 3:05 से 4 बजे तक ऑपन बुक परीक्षा होगी। जिनको भी यह परीक्षा देनी है, वे अपने नाम, क्षेत्र, फोन नं. की सूचना बीकानेर केन्द्रीय कार्यालय के 9269599909 पर 30 सितम्बर 2019 से पहले भिजावें।

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा

साधुमार्गी जैन संघ प्रतिवर्ष की तरह जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा भाग-1 से 12 और 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों हेतु भाग 1 से 6 की मौखिक परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित कर रहा है। इस वर्ष पहली बार सामायिक सूत्र स्पेशल व प्रतिक्रमण सूत्र स्पेशल की भी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, यह दोनों तरह की परीक्षाएँ 22 सितम्बर 2019 को होनी है।

* चातुर्मास में 4 महिनो में प्रतिक्रमण सीखने वाले परीक्षार्थियों हेतु 3 नवम्बर को भी परीक्षा आयोजित की जा रही है।
* साथ ही वर्षभर में निम्न दिनांक को सामायिक व प्रतिक्रमण की परीक्षा होगी - 22 सितम्बर 2019, 19 जनवरी 2020, 7 जून 2020 व 27 सितम्बर 2020 को प्रतिक्रमण स्पेशल सूत्र व सामायिक स्पेशल सूत्र की परीक्षा होगी।

सामायिक सूत्र स्पेशल व प्रतिक्रमण सूत्र स्पेशल की परीक्षा हेतु नियम

सामायिक व प्रतिक्रमण की परीक्षा की उम्र सीमा नहीं है (कोई भी परीक्षा दे सकता है) और प्रतिक्रमण सूत्र स्पेशल की परीक्षा 3 चरण (तीन पेपर) में होगी।

* (एक-एक चरण प्रतिवर्ष दिया जा सकता है और तीनों चरण एक साथ भी दे सकते हैं।)
* यह परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परीक्षार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। किसी भी प्रकार की सहायता हेतु 7231933008 पर सम्पर्क करें।
* यह परीक्षा जरूर देवें और प्रभावना करें ताकि आपके क्षेत्र में सभी को सामायिक व प्रतिक्रमण कंठस्थ होने क्योंकि ये निज ज्ञान है जो सभी को आना ही चाहिए

श्रुत आराधक भाग 5 (नमूना प्रश्नोत्तर 2)

I. आगम- उत्तराध्ययन सूत्र 29वां अध्ययन-सुयं में आउसं से (12) काउस्सग्गेणं भंते की गाथा तक) I गाथाओं की शुरूआत का सही चयन किजिए।

1. अगारधम्मं च णं चयइ, अणगारिए णं जीवे सारीर-माणसाणं
   (A) गुरु-साहम्मिय-सुस्सूसणयाए णं भंते! (B) चउवीसत्थएणं भंते!
   (C) निव्वेएणं भंते! (D) धम्मसद्धाए णं भंते!
2. पिहिय-वयच्छिद्दे पुण जीवे निरूद्धासवे
   (A) पडिक्कमणेणं भंते! (B) काउस्सग्गेणं भंते!
   (C) निंदणयाए णं भंते! (D) सामाइएणं भंते!
3. दंसण-विसोहिए य णं विसुद्धाए अत्थेगइए जीवे
   (A) संवेगेणं भंते! (B) गरहणयाए णं भंते!
   (C) चउवीसत्थएणं भंते! (D) वंदणएणं भंते!
4. दंसणविसोहिं जणयइ
   (A) सामाइएणं भंते! (B) चउवीसत्थएणं भंते!
   (C) आलोयणाए णं भंते! (D) पडिक्कमणेणं भंते!

कर्मविपाक (पृष्ठ 17-प्रत्येक प्रकृति से तात्पर्य तक)

II. सही जोड़ी मिलाईए -

	कर्म		प्रकृति	सही जोड़ी (A/B/C/D/E/F)
(5)	शुभ	(A)	पिंड प्रकृति	.....
(6)	अनादेय	(B)	त्रस दशक	.....
(7)	आनुपूर्वी	(C)	गोत्र	.....
(8)	उद्योत	(D)	अन्तराय	.....
		(E)	स्थावर दशक	
		(F)	प्रत्येक प्रकृति	

III. सही या गलत

(9) पिंड प्रकृति के जब गति, जाति आदि 14 मूल भेद ही नामकर्म में गिने जाते हैं तो नामकर्म के 42 भेद होते हैं ?

(10) त्रस दशक प्रकृतियों के भेद-प्रभेद नहीं है ?

(11) मन की पर्यायों को जानना ज्ञान और दर्शन का विषय है ?

(12) श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र में 5 निद्राओं का क्रम इस प्रकार है-
(1) निद्रा (2) निद्रा-निद्रा (3) प्रचला (4) प्रचला-प्रचला (5) स्त्यानर्द्धि

गमक (तथ्य से चौथे बोले गमक 9 तक)

IV. असंगत हटाईए -

(13) (घर संबंधित)
(A) 9 ग्रैवेयक (B) 5 अनुत्तर विमान (C) 10 भवनपति देव (D) ज्योतिषी देव

(14) (जीव संबंधित)
(A) सन्नी मनुष्य (B) मनुष्य युगलिक (C) वाणव्यन्तर देव (D) सूक्ष्म एकेन्द्रिय

(15) (आगति के स्थान-ज्योतिषी देव संबंधित)
(A) असन्नी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय (B) सन्नी तिर्यञ्च पंचेन्द्रि
(C) सन्नी मनुष्य (D) तिर्यञ्च युगलिक

(16) (9वें देवलोक तक जाने वाला/उत्पन्न होने संबंधित)
(A) ऋषभनाराच (B) अर्द्धनाराच (C) वज्रऋषभनाराच (D) नाराच

V. रिक्त स्थान की पूर्ति किजिए-

	घर	जीव	आगति के स्थान
17.	वाणव्यन्तर	5	.....
18.	.....	1(सन्नी मनुष्य)	7
19.	तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय	.....	39
20.	.....	12 (औदारिक के)	60

सही उत्तर :-(1)D (2)A (3)A (4)B (5)B (6) E (7) A (8) F (9)सही (10)सही (11)गलत
(13) B (14)D (15) A (16)B (17)5 (18) 9 वें देवलोक से सर्वार्थसिद्ध विमान तक(कुल 7)
(19) 39 (20) तेउकाय, वायुकाय, तीन विकलेन्द्रिय (कुल 5)

आगम भक्ति 3 से 6 संबंधित सूचना

जो आगम भक्ति 3 से 6 की परिक्षा में जुड़ना चाहते हैं उनके लिए दिसम्बर में पुनः सुनहरा अवसर। 100 नंबर के प्रश्नपत्र के माध्यम से आप अपना आगम पूरा कर सकते हैं। जल्दी से जल्दी रजिस्ट्रेशन करवाएँ। 100 नंबर की परिक्षा वो ही दे सकते हैं जिन्होंने एक चरण या एक भी चरण नहीं दिया है। उत्तराध्ययन के परिक्षार्थी जिसका कोई चरण छूट गया है उनके लिए भी दिसम्बर में Re-Exam रखा गया है। Re-Exam देने वालों के लिए भी वापस रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है।

दिसंबर 2019 परीक्षा सारणी

14 दिसंबर 2019	दशवैकालिक सूत्र	सारा कोर्स 100 नंबर की परीक्षा	2-4 बजे
14 दिसंबर 2019	उत्तराध्ययन सूत्र	प्रथम व द्वितीय चरण Re-Exam	3-5 बजे
15 दिसंबर 2019	नंदी सूत्र	सारा कोर्स 100 नंबर की परीक्षा	2-4 बजे
15 दिसंबर 2019	उत्तराध्ययन सूत्र	तृतीय व चतुर्थ चरण Re-Exam	3-5 बजे
16 दिसंबर 2019	सुखविपाक सूत्र	दोनो चरणों की 100 नंबर की परीक्षा	3-5 बजे
17 दिसंबर 2019	उत्तराध्ययन सूत्र	सारा कोर्स 100 नंबर की परीक्षा	3-5 बजे
18 दिसंबर 2019	उत्तराध्ययन सूत्र	पांचवें व छठे चरण का Re-Exam	3-5 बजे

सुखविपाक सूत्र में अधिक से अधिक संख्या में श्रावक-श्राविकाएँ जुड़े।

श्रुत आराधक भाग 5-नमूना प्रश्नोत्तर (3)

आगम (13) पच्चक्खाणेणं भंते से (23) धम्म-कहाए णं भंते तक

I. सही जोड़ी मिलाईए

	गाथा	संबंध		सही जोड़ी (A/B/C/D/E/F)
1.	सव्व-दव्वेसु विणीय-तण्हे सीइभूए	(A)	सज्झाएणं भंते।	.....
2.	मग्गं च मग्गफलं च विसोहेइ	(B)	धम्म-कहाए णं भंते!	.....
3.	आउय-वज्जाओ सत्तकम्म-पगडीओ	(C)	पच्चक्खाणेणं भंते!	.....
4.	आगमेसस्स-भद्दताए कम्मं निबंधइ	(D)	अणुप्पेहाए णं भंते!	.....
5.	तित्थधमं अवलंबमाणे महानिज्जरे	(E)	पायच्छित्तकरणेणं भंते!	.....
		(F)	वायणाए णं भंते!	

कर्म विपाक {पिंड प्रकृतियों की परिभाषा-गति नामकर्म से संस्थान नामकर्म तक}

II. मुझे पहचानिए।

6. मेरे उदय से औदारिकादि शरीर वर्गणा के पुद्गल शरीर में यथायोग्य स्थान पर पिण्ड रूप होते है।
   (A) संहनन नामकर्म (B) संस्थान नामकर्म
   (C) संघातन नामकर्म (D) इनमें से कोई नहीं
7. मेरे उदय से शरीर वर्गणा के पुद्गल समचतुरस्र आदि आकार रूप में परिणत होते है।
   (A) बंधन नामकर्म (B) संस्थान नामकर्म
   (C) संघातन नामकर्म (D) इनमें से कोई नहीं
8. मै वटवृक्ष के समान नाभि से ऊपर का भाग सुविस्तृत प्रमाण युक्त हूँ एवं नाभि से नीचे का भाग हीन हूँ।
   (A) वामन संस्थान (B) कुब्जक संस्थान
   (C) सादि संस्थान (D) इनमें से कोई नहीं

III. असंगत हटाईए :-

9. जाति नामकर्म संबंधित
   (A) पर्याय का अनुभव करना (B) उत्पन्न होना
   (C) पैदा होना (D) जहाँ उत्पन्न हुआ जाता है
10. अंगोपांग संबंधित
   (A) कान (B) पेट
   (C) सीर (D) पीठ
11. बंधन नामकर्म संबंधित
   (A) वैक्रिय-कार्मण बंधन नामकर्म (B) वैक्रिय-औदारिक बंधन नामकर्म
   (C) वैक्रिय-वैक्रिय बंधन नामकर्म (D) वैक्रिय-तैजस बंधन नामकर्म
12. अंगोपांग संबंधित
   (A) औदारिक शरीर (B) वैक्रिय शरीर
   (C) आहारक शरीर (D) तैजस शरीर

गमक का थोकड़ा (पाँचवे बोले भव स्थान 16)

IV. नीचे दिए हुए भव स्थानों में से अगर कोई भव स्थान गलत हो तो उसे रेखांकित करे और कोष्ठक में गलत लिखें। भव स्थान सही हो तो कोष्ठक में सही लिखें।

13. भव स्थान छठा- वैक्रिय के 5 घरों (नौवें देवलोक से नव ग्रैवेयक) में संज्ञी मनुष्य जाता है।
    1. जघन्य पृथ्कत्व वर्ष, उत्कृष्ट करोड़ पूर्व स्थिति वाला जाता है।
    2. अपने-अपने स्थान अनुसार स्थिति पाता है।
    3. जघन्य 3 भव, उत्कृष्ट 7 भव करता है।

14. भव स्थान तेरहवां-तेउकाय, वायुकाय - इन 2 घरों में संज्ञी मनुष्य, असंज्ञी मनुष्य, जाते हैं।
    1. जघन्य अन्तर्मुहूर्त, उत्कृष्ट अन्तर्मुहूर्त स्थिति वाला जाता है।
    2. अपने-अपने स्थान अनुसार स्थिति पाते है।
    3. 2 भव करते है।

15. वैक्रिय के घर (सर्वाथसिद्ध विमान) में संज्ञी मनुष्य जाता है।
    1. जघन्य पृथ्कत्व वर्ष, उत्कृष्ट 84 लाख पूर्व स्थिति वाला जाता है।
    2. अजघन्य अनुत्कृष्ट 33 सागरोपम स्थिति पाता है।
    3. जघन्य 3 भव करता है, उत्कृष्ट 5 भव करता है।

V. मैं कौन सा भव स्थान हूँ ? (पहला, दूसरा, तीसरा,... सोलहवां आदि)

16. वैक्रिय के 26 घरों मे संज्ञी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय जाता है।

17. मनुष्य के एक घर में 43 जीव जाते है।

18. पृथ्वी, पानी, वनस्पति, इन तीन घरों में 14 प्रकार के देवता जाते है।

19. वैक्रिय के 1 घर (7वीं पृथ्वी के नैरयिक) में संज्ञी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय जाता है।

20. 5 स्थावर के 5 घरों में संज्ञी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय, असंज्ञी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय जाते है।

सही उत्तर :-

(1) C (2) E (3) D (4) B (5) F (6) C
(7) B (8) D (9) A (10) A (11) B (12) D
(13) सही (14) जघन्य अन्तर्मुहूर्त, उत्कृष्ट अन्तर्मुहूर्त स्थिति वाला जाता है। (गलत)
(15) जघन्य पृथ्कत्व वर्ष, उत्कृष्ट 84 लाख पूर्व स्थिति वाला जाता है। (गलत)
(16) दूसरा (17) सोलहवां (18) चारहवां (19) तीसरा (20) बारहवां

सूचना

आप द्वारा भेजे गए आलेख, संस्मरण, कविता, भजन आदि के प्रकाशन का सम्पूर्ण अधिकारी सम्पादक के अधीन है। अत: इस सम्बन्ध में केन्द्रीय कार्यालय से जानकारी मांगने का का काष्ट नहीं करें।

- संपादक

श्रुत आराधक भाग 5- नमूना प्रश्नोत्तर (4)

आगम [(24) सुयस्सआराहणयाए से (40) भत्त-पच्चक्खाणेणं की गाथा तक]

I. नीचे दिए हुए गाथाओं में से अगर कोई पद गलत हो तो उसे रेखांकित (Underline) करें और कोष्ठक (Bracket) में '' गलत '' लिखें। गाथा सही हो तो कोष्ठक में '' सही '' लिखें।

1. तवेणंअणण्हयत्तंजणयइ।
2. सहाय-पच्चक्खाणेणं एगीभावंजणयइ। एगीभावेमाणेअप्पसद्देअप्पकलहे
3. आहार-पच्चक्खाणेणंजीवियासंस-प्पओगंवोच्छिंदइ।
4. संभोग-पच्चक्खाणेणंआलंबणाइंजणयइ।आलंबणस्स य आययट्ठिया।
5. जोग-पच्चक्खाणेणंअजोगत्तंजणयइ।अजोगीणंजीवेसम-सुहदुक्खेभवइ।

कर्म विपाक (वर्ण नाम कर्म से अंतराय कर्म तक)

II. सहीविकल्पचुनिए।

6. लाल वर्ण नाम कर्म में ''लाल'' का पर्यायवाची शब्द क्या हैं ?
   (A) ललित (B) लोहित (C) लोलित (D) इनमें से कोई नहीं।

7. अम्ल रस नाम कर्म में '' अम्ल '' का पर्यायवाची शब्दक्याहैं ?
   (A) खट्टा (B) कड़वा (C) तीखा (D) इनमें से कोईनहीं।

8. ऐसे जीव जिन्हें चक्षु द्वारा देखें नही जा सकते एवं शस्त्र द्वारा जिनका घात भी नहीं हो सकता तथा किसी भी कार से वे दूसरों को कष्ट नहीं पहुचाते हैं ?
   (A) बादरजीव (B) अपर्याप्तजीव (C) सूक्ष्म जीव (D) इनमें से कोई नहीं।

9. अपर्याप्त नाम कर्म के उदय वाले जीव क्या हैं ?
   (A) लब्धि पर्याप्त (B) करणपर्याप्त (C) करणअपर्याप्त (D) इनमें से कोई नहीं।

III. यह वाक्य किस नाम कर्म से संबंध रखताहैं ?

10. आकाश + हलन-चलन आदि क्रिया ।
    (A) संस्थान नाम कर्म (B) आनुपूर्वी नाम कर्म (C) विहायोगति नाम कर्म (D) इनमें से कोई नहीं।

11. सूर्य विमान में रहे हुए खर पृथ्वी कायिक जीवों को ही मेरा उदय होता हैं, शेष किसी से नहीं ?
    (A) उद्योत नाम कर्म (B) आतप नाम कर्म (C) निर्माण नाम कर्म (D) उपघात नाम कर्म

12. शरीर में विजातीय तत्वों का होना ?
    (A) पराघात नाम कर्म (B) अगुरु लघु नाम कर्म (C) उद्योत नाम कर्म (D) इनमें से कोई नहीं।

13. चन्द्र-विमान में रहे हुए पृथ्वी कायिक जीव, जुगनु
    (A) आतप नाम कर्म (B) पराघात नाम कर्म (C) उद्योत नाम कर्म (D) इनमें से कोई नहीं।

छड़े बोलेकुलगमक 2805

IV. सही या गलत ।

14. मनुष्य के घर में सर्वाथ सिद्ध के देव 3 गमक (1,4,7) से जातेहैं ?

15. ज्योतिषी, प्रथम और द्वितीय देवलोक के घरों में दो प्रकार के युगलिक 7 गमक (5,6 गमक छोड़कर) से जाते हैं ?

16. 5 स्थावर के 5 घरों में संज्ञी मनुष्य कुल 27 गमक से जाते हैं?

V. सही संख्या का चयन किजिए ।

17. 2 भव की अपेक्षा कुल गमक ?

(A) 724 (B) 774 (C) 1646 (D) 1998

18. जघन्य 2 भव, उत्कृष्ट अनन्त भव के कुल गमक?

(A) 0 (B) 1 (C) 2 (D) 4

19. जघन्य ....भव, उत्कृष्ट .... भव के कुल गमक 96

(A) 2,संख्यात (B) 3,संख्यात (C) 3, असंख्यात (D) 2, असंख्यात

20. जघन्य ....भव, उत्कृष्ट .... भव के कुल गमक 158

(A) 2,संख्यात (B) 3,असंख्यात (C) 2, अनंत (D) इनमें से कोई नहीं

सहीउत्तर:-

1. अणण्हयत्तं (गलत) 2. एगीभावेमाणेअप्पसद्देअप्पकलहे (गलत) 3. सही 4. आलंबणस्स (गलत)
5. सम-सुहदुक्खेभवइ (गलत) 6. B7. A8. C 9. D10. C 11. B 12. D 13. C14. गलत 15.सही
16. गलत17. B 18. D 19. D 20. D

साधुमार्गी जनगणना

SABSJS द्वारा आयोजित साधुमार्गी जनगणना कार्यक्रम लगभग **सम्पूर्णता** की ओर है। क्या आपके संघ/गाँव/परिवार का उपरोक्त कार्यक्रम के तहत पंजीकरण हो गया है? **यदि नहीं तो** आज ही अपने संघ/परिवार की जनगणना करवायें।

कृपया अपने संघ/परिवार के पंजीकरण एवम् फोटो अपडेट करने हेतु शीघ्र सम्पर्क करें:-

प्रिंस जैन (जनगणना अधिकारी)

मो.- 8962931522

साधुमार्गी जनगणना टीम

मो.- 9789999001

श्रुत आराधक भाग 5- नमूना प्रश्नोत्तर (5)

आगम (41) [सब्भाव-पच्चक्खाणेणं से (59) नाणसंपन्नयाए तक]

I. गाथाओं की शुरूआत का सही चयन किजिए-

1. विउल-तव-समिइ-समन्नागए यावि भवई

(A) पडिरूवयाए णं भंते। (B) सब्भाव-पच्चक्खाणेणं भंते।

(C) वीयरागयाए णं भंते। (D)इनमेंसे कोई नहीं।

2. काउज्जुययं भावुज्जुययं भासुज्जुययं

(A) मद्दवयाए णं भंते। (B) मुत्तीए णं भंते।

(C) करणसच्चेणं भंते। (D) इनमें से कोई नहीं।

3. चरित्त-पज्जवे विसोहेत्ता अक्खाय-चरित्तं विसोहेइ

(A) वयसमाहारणयाए णं भंते। (B) नाणसंपन्नयाए णं भंते।

(C) जोगसच्चेणं भंते। (D) कायसमाहारणयाए णं भंते।

4. एगग्गं जणइत्ता नाण-पज्जवे जणयइ।

(A) वयगुत्तयाए णं भंते। (B) मणसमाहारणयाए णं भंते।

(C) भावसच्चेणं भंते। (D) खंतीए णं भंते।

साधना-विवेक

II. सही या गलत ।

5. श्रावकों के लिए ''धम्मकोविया'' विशेषण शास्त्र में वर्णित हैं ?

6. सूर्याभदेव का जीव पूर्वभव में केशी श्रमण था ?

7. भगवती सूत्र, उत्तराध्ययन सूत्र में चैत्य का अर्थ ''बगीचा'' बताया है ?

8. मूर्तिपूजकों के मान्य महानिशीथ में कुशीलक नामक तीसरें अध्ययन में लिखा है कि द्रव्यस्त्व जिनपूजा आरम्भिक है ?

9. जिन-प्रतिमा की पूजा के समय द्रौपदी श्राविका थी ?

10.जिन शब्द के कुल दो अर्थ बताए हैं - तीर्थंकर, सामान्य केवली

गमक-सातवें बोल नाणत्ता 1998

III. सही विकल्प चुनिए

11. लब्धि के बीस द्वारों में से किन द्वारों में नाणत्ता नहीं पड़ता है ?

(A) समुद्घात (B) कषाय

(C) दृष्टि (D) लेश्या

12. वैक्रिय के 27 घरों में सन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय जाते हैं [किसी भी गमक से] तो किस लब्धि का नाणता पड़ता है ?

(A) योग (B) उपयोग

(C) संहनन (D) ज्ञान-अज्ञान

13. ज्योतिषी देवलोक में जाने वाले तिर्यंच युगलिक की जघन्य व उत्कृष्ट अवगाहना क्रमशः कितनी होती है ?

(A) पृथक्त्व धनुष, 1000 योजन झाझेरी (B) पृथक्त्व हाथ, 1800 योजन झाझेरी

(C) पृथक्त्व धनुष, 1800 धनुष झाझेरी (D) पृथक्त्व हाथ, 1000 योजन झाझेरी

14. पृथ्वीकाय के घर में वनस्पतिकाय के जीव उत्कृष्ट गमक से जाते हैं तो कितने बोलों का नाणता पड़ता है ?

(A) 1 (B) 2

(C) 3 (D) 4

15. अप्काय के घर में सन्नी तिर्यंच, सन्नी मनुष्य जाते हैं तो कुल कितने बोलों का नाणत्ता पड़ता है ?

(A) 18 (B) 21

(C) 23 (D) 27

IV. इनमें से सही संख्या/ विकल्प का चयन किजिए

900 धनुष झाझेरी, 800 धनुष झाझेरी, अंगुल का संख्यात्वां भाग, जघन्य पृथक्त्व धनुष-उत्कृष्ट 3 गाऊ, जघन्य पृथक्त्व धनुष-उत्कृष्ट 2 गाऊ, अंगुल का असंख्यात्वां भाग, 800 योजन, शुभ, अशुभ, 2 पल्योपम, 3 पल्योपम, 1 पल्योपम, 206, 256, 218, 2 सागरोपम, 1 सागरोपम झाझंरी

16. पहला देवलोक में तिर्यंच युगलिक जघन्य गमक से जाते हैं तो अवगाहना का नाणत्ता ....

17. ज्योतिषी में युगलिक मनुष्य जावे तो जघन्य गमक का नाणत्ता .....

18. पृथ्वीकाय के घर में असन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय जघन्य गमक से जाते हैं तोअध्यवसाय का नाणत्ता...........

19. वनस्पतिकाय के घर में वाणव्यन्तर देवता उत्कृष्ट गमक से जाते हैं तो अनुबंध का नाणत्ता.....................

20. मनुष्य के घर में उत्पन्न होने वाले जीवों में कुल नाणत्ता ....

उत्तर :-
(1) A (2) D (3) D (4) B (5) सही (6) गलत (7) सही (8) गलत (9)गलत (10) गलत (11) B (12) D (13) C (14) B (15) C (16) जघन्य पृथक्त्व धनुष-उत्कृष्ट 2 गाऊ (17) 900 धनुष झाझेरी (18) अशुभ (19) 1 पलयोपम (20) 206

हमारे संघ के केन्द्रीय कार्यालय के मुख्यकार्यकारी अधिकारी श्रीमती बिंदीया जी तातेड़ ने अपना पद त्याग दिया है इसलिए निम्न व्यक्ति निम्न विभागों का कार्यभार संभाल रहे हैं

1. **ललित जी बोथरा** - अन्नयप्रवास यात्रा और कार सेवा, साहित्य, कार्यसमिति बैठक, आम सभा, अधिवेशन, पदाधिकरी प्रशिक्षण कार्यशाला, पदाधिकारी सम्पर्क, प्रवास, सम्मेलन, । सम्पर्क सूत्र - 7231855008
2. **दिलीप जी राजपुरोहित** - साधुमार्गी संचार तंत्र, नानेशवाणी, ओपन बुक, नानेशवाणी क्विज, 50 थोकड़े, आगम भक्ति, जैन संस्कार पाठ्यक्रम, धार्मिक परीक्षा, जैन ओलम्पियार्ड, सामायिक प्रतिक्रमण परीक्षा। सम्पर्क सूत्र - 7231933008
3. **नीतिन जी जैन** - वीर सेवा समिति, संघ एफिलेशन, समीक्षण ध्यान वर्कशॉप फॉर टीचर्स, कसाईयों के धंधे से मुक्त करना, मेड़िकल कैम्पस, साधुमार्गी एप, ग्लोबल कार्ड, SATF, SPG, SBG, IT/ Website, समता जन कल्याण उपन्यास इत्यादि। सम्पर्क सूत्र - 9414392035

भूल सुधार

25-26 नवम्बर,2019 अंक में बिदा करके आपको कविता श्रीमान् राजेन्द्र जी जैन 'अयोग्य' द्वारा लिखी गई है!

-सम्पादक

श्रुत आराधक भाग-5 नमूना प्रश्नोत्तर (6)

(आगम [(60) दंसण-संपन्नयाए से (74) एस खलु सम्मत्त तक]

I.रिक्त स्थान की पूर्ति किजिए।

1. अहाउयं पालइत्ता अंतो ..... सुहुमकिरियं।
2. मायाविजएणं भंते! जीवे किं जणयइ?..... कम्मं न बंधइ।
3. चरित्त-संपन्नयाए णं ..... चत्तारि केवलि।
4. जहा सुई ससुत्ता .....न विणस्सइ।

बंध उदय उदीरणा सत्ता का थोकड़ा (शुरूआत से लेकर 'गुणस्थानों में बंध प्ररूपणा' तक)

II. मुख्य आधार का चयन किजिए।

5. इस थोकड़े का मुख्य आधार ग्रंथ

A) श्रीमद् जिनेन्द्रसूरि विरचित कर्मस्तव
B) श्रीमद् जिनेन्द्रसूरि विरचित कर्मविपाक
C) श्रीमद् देवेन्द्रसूरि विरचित कर्मस्तव
D) श्रीमद् देवेन्द्रसूरि विरचित कर्मविपाक

6. दर्शनावरणीय कर्म के 9 भेद

A) श्रीमद् समवायांग सूत्र
B) श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र
C) A&B दोनों
D) इनमें से कोई नहीं

7. नोकषाय मोहनीय कर्म के 9 भेद

A) श्रीमत्त् स्थानांग सूत्र व श्रीमत्त् समवायांग सूत्र
B) श्रीमत्त् स्थानांग सूत्र व श्रीमत्त् प्रज्ञापना सूत्र
C) श्रीमत्त् समवायांग सूत्र व श्रीमत्त् प्रज्ञापना सूत्र
D) इनमें से कोई नहीं

III. असंगत हटाईए (सांकेतिक संज्ञाए)

8. दुर्भग त्रिक (बंध प्रकरण में)

A) दुर्भग
B) दु:स्वर
C) अनादेय
D) अयश:कीर्ति

9. स्थावर चतुष्क

A) स्थावर
B) अस्थिर
C) साधारण
D) अपर्याप्त

10. अगुरुलघु चतुष्क

A) अगुरुलघ
B) पराघात
C) निर्माण
D) उच्छ्वास

11. वैक्रिय अष्टक

A) समचतुरस्त्र संस्थान
B) नरक गति
C) वैक्रिय शरीर
D) देवानुपूर्वी

12. हास्य षटक्

A) जुगुप्सा
B) अरति
C) अशुभ
D) शोक

IV सही या गलत।

13. अनुदयमान प्रकृतियों की उदीरणा नहीं होती हैं?
14. अनंतानुबंधी कषाय के बंध में 2 निमित्त हैं- 1. मिथ्यात्व का उदय 2. सम्यग्मिथ्यात्व का उदय
15. जिस समय जिस कषाय का बंध विच्छेद होता हैं उसी समय उस कषाय का उदय विच्छेद होता हैं?

V प्रकृतियों की संख्या ।

	गुणस्थान	बंध योग्य प्रकृतियाँ	बंध विच्छेद योग्य प्रकृतियाँ
16.	पहला		
17.	तीसरा		
18.	छठा		
19.	दसवां		
20	तेरहवां		

VI सही विकल्प चुनिए।

21. दूसरे गुणस्थान में बंध विच्छेद प्रकृति नहीं हैं?

A) नपुंसक B) उद्योत C) तिर्यञ्च त्रिक D) नीच गोत्र

22. आठवें गुणस्थान के छठें भाग में बंध विच्छेद प्रकृति नहीं हैं?

A) जिननाम B) पंचेन्द्रिय जाति C) औदारिक अंगोपांग D) निर्माण

23. दसवें गुणस्थान में बंध योग्य प्रकृति

A) देवायु B) उच्च गोत्र C) पुरूषवेद D) संज्वलन लोभ

24. नवां गुणस्थान के चौथे भाग में बंध योग्य प्रकृतियाँ

A) संज्वलन क्रोध B) संज्वलन माया C) पुरूषवेद D) भय

सही उत्तर:-

1. मुहुत्तद्धावसेसाए जोग-निरोहं करेमाणे 2. माया-विजएणं अज्जवं जणयइ, माया-वेयणिज्जं
3. भावं जणयइ। सेलेसिं पडिवन्ने य अणगारे 4. पडिया न विणस्सइ। तहा जीवे ससुत्ते संसारे

5. C 6. C 7. B 8. D 9. B 10. C 11. A 12. C 13. सही
14. गलत 15. गलत 16. (117,16) 17. (74,0) 18. (63,6/7) 19. (17,16) 20. (1,1) 21. A
22. C 23. B 24. B

श्रुत आराधक भाग–5 नमूना प्रश्नोत्तर (7)

विषय:- गमक (लब्धि के 20 द्वार-प्रथम उद्देशक से ग्यारहवें उद्देशक तक)

I. सही या गलत

1. वेद, संज्ञा व पर्याप्ति यें तीनों लब्धि के द्वार हैं।
2. परिमाण द्वार जीव जहाँ उत्पन्न होता हैं, उस भव संबंधी हैं।
3. दूसरी पृथ्वी के नैरयिक में तीनों दृष्टि वाले संज्ञी तिर्यञ्च उत्पन्न हो सकते हैं।
4. नव निकाय देव में यदि दो प्रकार के युगलिक तीसरे गमक से उत्पन्न होते हैं तो युगलिक की स्थिति जघन्य 2 पल्योपम, उत्कृष्ट 3 पल्योपम कहना।

II.रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिए।

चौथी पृथ्वी के नैरयिक में संज्ञी तिर्यञ्च उत्पन्न हो तो

लब्धि

5. अवगाहना जघन्य ....., उत्कृष्ट .....
6. संस्थान .....
7. अध्यवसाय .....
8. ज्ञान-अज्ञान .....
9. लेश्या .....
10. समुद्घात .....

विषय:- बंध उदय उदीरणा सत्ता का थोकड़ा (उदय प्ररूपणा)

III. असंगत हटाईए।

11. (पहले गुणस्थान में अनुदयवती प्रकृतियाँ संबंधित)

A) सम्यक्त्व मोहनीय B)जिननाम C)मिथ्यात्व मोहनीय D)सम्यक्त्व मोहनीय

12. (पाँचवें गुणस्थान में उदय विच्छेद योग्य प्रकृतियाँ संबंधित)

A) अनादेय B)नीच गोत्र C)तिर्यञ्चायु D)उद्योत नामकर्म

13. (आठवें गुणस्थान में उदय विच्छेद योग्य प्रकृतियाँ संबंधित)

A)हास्य B) नपुंसकवेद C) जुगुप्सा D) अरति

14. (चौदहवें गुणस्थान में उदय योग्य प्रकृतियाँ संबंधित)

A) असातावेदनीय B) सातावेदनीय C) सुस्वर D) जिननाम

15.(पुनः उदय योग्य प्रकृतियाँ संबंधित)

A) तीसरा गुणस्थान B) चौथा गुणस्थान C) छठा गुणस्थान D) आठवाँ गुणस्थान

IV सही जोड़ी मिलाईए।

गुणस्थान	उदय/उदय विच्छेद योग्य प्रकृतियाँ
16. तीसरा	A) 30
17. पाँचवाँ	B) 111
18. चौथा	C) 72
19. तेरहवां	D) 12
20. चौदहवां	E) 66
	F) 17

सही उत्तर:
1.) गलत 2.) सही 3. सही 4.) गलत 5.) अंगुल का असंख्यातवां भाग, 1000 योजन 6.) 6 7.) 2
8.) 3 ज्ञान, 3 अज्ञान की भजना 9.) 6 10.) 5 11.) C 12.) A 13.) B 14.) C 15.) D
16.) B 17.) G 18.) F 19.) A 20.) D

श्रुत आराधक भाग 5 - नमूना प्रश्नोत्तर (8)

(विषय :- गमक (लब्धि के 20 द्वार - बारहवें उद्देशक से चौबीसवां उद्देशक तक)

I रिक्त स्थान की पूर्ति किजिए

	जीव	घर	लब्धि कितनी (संख्या)
1.	वनस्पतिकाय	पृथ्वीकाय	लेश्या ___
2.	बेइन्द्रिय	तेउकाय	समुद्घात ___
3.	असन्नी तिर्यन्च पंचेन्द्रिय	अप्काय	उत्कृष्ट अवगाहना ___
4.	आठवें देवलोक	तिर्यन्च पंचेन्द्रिय	दृष्टि ___
5.	असन्नी मनुष्य	[illegible] मनुष्य	अध्यवसाय (तीसरे गमक से) ___

II सही विकल्प चुनिए

6. सन्नी तिर्यन्च यदि ज्योतिषी के घर में चौथे गमक से उत्पन्न हो तो जघन्य कालादेश कितना होगा?

A) अन्तर्मुहूर्त अधिक 1/8 पल्योपम B) अन्तर्मुहूर्त अधिक 1 पल्योपम

C) अन्तर्मुहूर्त अधिक 1/4 पल्योपम D) इनमें से कोई नहीं

7. मनुष्य युगलिक यदि दूसरे देवलोक में तीसरे गमक से उत्पन्न हो तो उत्कृष्ट कालादेश कितना होगा?

A) 4 पल्योपम B) 6 पल्योपम C) 6 पल्योपम झाझेरी D) 4 पल्योपम झाझेरी

Scanned with CamScanner

8. सन्नी तिर्यञ्च यदि तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय के भव में नवमें गमक से उत्पन्न हो तो उत्कृष्ट कालादेश कितना होगा ?

A) करोड़ पूर्व अधिक 6 पल्योपम   B) 4 अन्तर्मुहूर्त अधिक 4 करोड़ पूर्व

C) करोड़ पूर्व अधिक 3 पल्योपम   D) 4 करोड़ पूर्व अधिक 4 अन्तर्मुहूर्त

(विषय :- बंध उदय उदीरणा सत्ता का थोकड़ा (उदीरणा व सत्ता द्वार)

9) सातवें व तेरहवें गुणस्थान में कितनी-कितनी प्रकृतियों की उदीरणा होती है ?

A) 76, 42   B) 73, 42   C) 73, 39   D) 76, 39

10) किन गुणस्थानों में तीर्थंकर नामकर्म की सत्ता नहीं होती है ?

A) 2, 3,   B) 1, 2   C) 1, 3   D) इनमें से कोई नहीं

11) सातवें गुणस्थान में चरम शरीरी क्षायिक सम्यक्त्वी जीव की अपेक्षा कितनी प्रकृतियों की सत्ता होती है ?

A) 145   B) 141   C) 140   D) 138

12) दसवें गुणस्थान में क्षपक श्रेणी जीव की अपेक्षा कितने प्रकृतियों की सत्ता होती है ?

A) 102   B) 101   C) 99   D) 85

III. सही विकल्प चुनिए।

Scanned with CamScanner

IV सही जोड़ी मिलाइए

	सत्ता विच्छेद प्रकृतियाँ	गुणस्थान
(13)	अप्रत्याख्यान चतुष्क एवं प्रत्याख्यानावरण चतुष्क	A) नौवें गुणस्थान भाग 2 में
		B) नौवें गुणस्थान भाग 1 में
(14)	हास्य षट्क	C) नौवें गुणस्थान भाग 7 में
(15)	नीच गोत्र	D) चौदहवें गुणस्थान के अंतिम समय तक
(16)	दर्शनावरण 4	E) चौदहवें गुणस्थान के द्विचरम समय तक
(17)	संज्वलन क्रोध	F) बारहवें गुणस्थान के चरम समय तक
		G) नवमें गुणस्थान के भाग 5 में

V सही विकल्प चुनिए

(विषय:- जैन सिद्धांत मंजूषा की कुछ धारणाएँ)

18) भगवान महावीर के शासन में पाक्षिक, चातुर्मासिक आदि पर्व तिथियों में 2 प्रतिक्रमण करने का आगम में उल्लेख कहाँ प्राप्त होता है?

A) श्री ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र B) श्री आवश्यक सूत्र C) दोनों A & B

D) आगम में कहीं भी उल्लेख प्राप्त नहीं होता है।

19) आगमों में तैंतीस बोल का सामूहिक कथन किनके लिए हुआ है?

A) श्रावक B) साधु C) दोनों A & B D) इनमें से कोई नहीं

20) किस सूत्र व सैकड़ों वर्ष पुराने उसके भाष्य पर दृष्टिपात करने पर स्पष्ट हो जाता है कि पक्खी हुआ कितना अचित्त है?

A) श्री दशवैकालिक सूत्र B) श्री उत्तराध्ययन सूत्र

C) श्री बृहत्कल्प सूत्र D) इनमें से कोई नहीं

Scanned with CamScanner

21) आवश्यक वृहद् वृत्ति के छठें अध्ययन की टीका में श्रावक के सामायिक करने की विधि में कितनी बार "करेमि भंते" करने का निर्देश है?

A) 1 बार B) 2 बार C) तीन बार D) निर्देश प्राप्त नहीं है

VI सही या गलत

22) शरीर के भीतर रहे मल-मूत्र में भी सम्मूर्च्छिम मनुष्य की उत्पत्ति संभव है?

23) सम्मूर्च्छिम मनुष्य की विराधना कायिक प्रवृत्तियों से होती है?

24) सम्मूर्च्छिम मनुष्य की विराधना संबंधित प्रायश्चित्त का कोई विधान नहीं है?

सही उत्तर :- 1) चार 2) तीन 3) आठ भव 4) तीन 5) एक 6) A 7) B
8) C 9) C 10) A 11) D 12) A 13) A
14) G 15) E 16) F 17) C 18) D 19) B
20) C 21) A 22) सही 23) गलत 24) सही

Scanned with CamScanner

श्रुत आराधना भाग 5 - नमूना प्रश्नोत्तर (१)

विषय :- बंध उदय उदीरणा सत्ता का थोकड़ा

I सही या गलत बताइए।

1) कार्मग्रन्थिकों एवं सिद्धांत की विशेष मतभिन्नता उपशमश्रेणी के वर्णन में है?

2) सिद्धांत अनुसार एक भव में जीव अधिक से अधिक 1 बार ही उपशम श्रेणी आरोहण कर सकता है?

3) कार्मग्रन्थिकों के अनुसार नरकायु या तिर्यञ्चायु की सत्ता वाला जीव श्रेणी आरोहण कर सकता है?

4) आयुकर्म की गुणश्रेणी रचना नहीं हो सकती है?

5) अबंध योग्य प्रकृतियों का अर्थ है कि अमुक गुणस्थान के आगे इन प्रकृतियों का बन्ध नहीं होता है?

II सही जोड़ी मिलाइए।

कर्म प्रकृति	गुणस्थान
6) अनंतानुबंधी कषाय का उदय	A) आठवें गुणस्थान तक
7) भय का उदय	B) पहले गुणस्थान तक
8) तैजस शरीर का उदय कहाँ नहीं होता है	C) चौथे गुणस्थान तक
9) संज्वलन क्रोध का उदय	D) सातवें गुणस्थान में
10) नरक गति का उदय	E) चौदहवें गुणस्थान में
	F) नौवें गुणस्थान तक
	G) दूसरे गुणस्थान तक

Scanned with CamScanner

सही विकल्प चुनिए।

1) सम्यक्त्व अवस्था में जीव काल करे तो अगले भव में किस कर्मप्रकृति का उदय हो सकता है?
A) सूक्ष्म B) स्थावर C) अपर्याप्त D) साधारण

2) किस प्रकृति का बंध, उदय, उदीरणा - ये तीनों किसी एक अमुक गुणस्थान तक ही होता है?
A) केवलज्ञानावरणीय B) नरकानुपूर्वी C) जुगुप्सा D) अयशःकीर्ति

3) किन-किन गुणस्थानों में जीव काल नहीं करता है?
A) 3, 11, 14 B) 2, 11, 13 C) 2, 11, 14 D) 3, 12, 13

4) क्षायोपशमिक श्रावक को इन तीन प्रकृतियों का उदय नहीं होता है?
A) दुर्भगा, अनादेय, अयशःकीर्ति B) तिर्यञ्च गति, दुर्भगा, अनादेय
C) उद्योत, तिर्यञ्च गति, अनादेय D) नीच गोत्र, दुर्भगा, अयशःकीर्ति

5) अप्रमत्त साधु को किस कर्मप्रकृति का उदय नहीं होता है?
A) निद्रा B) सम्यक्त्व मोहनीय C) सेवार्तक संहनन D) प्रचला-प्रचला

Scanned with CamScanner

IV पहले से बाद में बंध विच्छेद होने वाली कर्म प्रकृति के अनुसार क्रम बताईए।

16) A) देवायु B) मनुष्यायु C) तिर्यन्चायु D) नरकायु

17) A) अशुभ B) अनादेय C) आदेय D) यश:कीर्ति

18) A) सातावेदनीय B) असातावेदनीय C) उच्च गोत्र D) संज्वलन लोभ

19) A) स्त्रीवेद B) पुरुष वेद C) नपुंसक वेद D) भय

20) A) वज्रऋषभनाराच संहनन B) सेवार्तक संहनन

C) समचतुरस्त्र संस्थान D) अर्धनाराच संहनन

(विषय :- गमक का थोकड़ा

V सही संख्या का चयन किजिए।

[44, 12, 25, 10, 34, 26, 40, 39, 15, इनमे से कोई नहीं]

21) वैक्रिय के कुल घर कितने है? ______

22) पंचेन्द्रिय जाति वालों के घर कितने है? ______

23) चउरिन्द्रिय के घर कितने जीव आते है? ______

24) वनस्पतिकाय के घर में आगति के स्थान? ______

25) कितने घरों में असन्नी मनुष्य का जीव जा सकता है? ______

Scanned with CamScanner

VI सही जोड़ी मिलाईए।

वर-जीव-गमक	भव कितने करता है
26) तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय के वर में संज्ञी तिर्यञ्च (तीसरे गमक से) जाता है।	
27) तेइन्द्रिय के वर में संज्ञी मनुष्य (आठवें गमक से) जाता है।	
28) सातवें पृथ्वी में संज्ञी तिर्यञ्च (दूसरे गमक से) जाता है।	
29) वनस्पतिकाय के वर में 4 स्थावर (अन्य) (पांचवें गमक से) जाता है।	
30) पृथ्वीकाय के वर में चउरिन्द्रिय (चौथे गमक से) जाता है।	

Scanned with CamScanner

पाँचवीं पृथ्वी में जितनी तिर्यञ्च जाते हैं तो जघन्य गमक व उत्कृष्ट गमक के नाणता बताईए। जहाँ नाणता नहीं पड़ता वहीं 'x' लिखिए।

		जघन्य गमक	उत्कृष्ट गमक
31)	अवगाहना		
32)	संघ		
33)	अनुबंध		
34)	योग		
35)	अध्यवसाय		

VIII) दूसरें देवलोक में तिर्यञ्च युगलिक उत्पन्न होता है तो नीचे दिए हुए लब्धियां बताईए।

36) स्थिति _____

37) अध्यवसाय _____

38) अवगाहना _____

39) कितनी स्थिति में उत्पन्न होता है? _____

40) आयुष्य _____

41) कालादेश (दूसरे गमक से) _____ 44) कालादेश (आठवें गमक से) _____

42) कालादेश (तीसरे गमक से) _____ 45) कालादेश (नौवें गमक से) _____

43) कालादेश (पाचवें गमक से) _____

Scanned with CamScanner

सही उत्तर:-

1) सही 2) गलत 3) गलत 4) सही 5) गलत 6) G 7) A 8) E 9) F

10) C 11) B 12) C 13) D 14) A 15) D 16) DCBA 17) BACD

18) BDCA 19) CADB 20) BDAC 21) 34 22) इनमें से कोई नहीं 23) 12 24) 26

25) 10 26) 2 भव 27) जघन्य 2 भव, उत्कृष्ट 8 भव 28) जघन्य 3 भव, उत्कृष्ट 7 भव

29) जघन्य 2 भव, उत्कृष्ट असंख्यात भव 30) जघन्य 2 भव, उत्कृष्ट संख्यात भव

• जघन्य गणक [31 - जघन्य अंगुल का असंख्यातवें भाग, उत्कृष्ट पृथक्त्व धनुष, 32 - 2 अन्तर्मुहूर्त, 33 - अन्तर्मुहूर्त, 34 - X, 35 - अशुभ]

• उत्कृष्ट गणक [31 - X, 32 - X, 33 - करोड़ पूर्व, 34 - X, 35 - X]

36) सम्यग्दृष्टि, मिथ्यादृष्टि 37) शुभ, अशुभ 38) जघन्य पृथक्त्व धनुष, उत्कृष्ट 6 गाऊ

39) जघन्य 1 पल्योपम साधिक, उत्कृष्ट 3 पल्योपम 40) जघन्य 1 पल्योपम साधिक, उत्कृष्ट 3 पल्योपम

41) जघन्य कालादेश → 1 पल्योपम साधिक + 1 पल्योपम साधिक, उत्कृष्ट कालादेश → 3 पल्योपम + 1 पल्योपम साधिक

42) जघन्य कालादेश → 3 पल्योपम + 3 पल्योपम, उत्कृष्ट कालादेश → 3 पल्योपम + 3 पल्योपम

43) पांचवा गणक नहीं बताया

44) जघन्य कालादेश → 3 पल्योपम + 1 पल्योपम साधिक, उत्कृष्ट कालादेश → 3 पल्योपम + 1 पल्योपम साधिक

45) जघन्य कालादेश → 3 पल्योपम + 3 पल्योपम, उत्कृष्ट कालादेश → 3 पल्योपम + 3 पल्योपम

Scanned with CamScanner

श्रुत आराधक भाग 5 - नमूना प्रश्नोत्तर (10)

विषय :- गमक का थोकड़ा

I सही जोड़ी मिलाईए

भव	घर - जीव
1) जघन्य 2 भव, उत्कृष्ट 4 भव	A) 4 अनुत्तरविमान देवों के 1 घर में सन्नी मनुष्य 3 गमक से जाता है।
2) जघन्य 3 भव, उत्कृष्ट 5 भव	B) तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय के 1 घर में सातवीं पृथ्वी के नैरयिक 3 गमक से जाता है।
3) जघन्य 3 भव, उत्कृष्ट 7 भव	C) तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय के 1 घर में सातवीं पृथ्वी के नैरयिक 1 गमक से जाता है।
4) जघन्य 2 भव, उत्कृष्ट 8 भव	D) 5 स्थावरों के 5 घरों में सन्नी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय 5 गमक से जाते हैं।
	E) वैक्रिय के 5 घरों में (9वें देवलोक से नवग्रैवेयक तक) संज्ञी मनुष्य 9 गमक से जाता है।
	F) वैक्रिय के 5 घरों में (9वें देवलोक से नवग्रैवेयक तक) संज्ञी मनुष्य 6 गमक से जाता है।
	G) 5 स्थावरों के 5 घरों में सन्नी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय 9 गमक से जाते हैं।
	H) 4 अनुत्तर विमान देवों के 1 घर में सन्नी मनुष्य 9 गमक से जाता है।

Scanned with CamScanner

II कितने बोलों का नाणत्ता पड़ता है?

5) वैक्रिय के 14 घरों में मनुष्य युगलिक (जघन्य गमक) से जाते है ______

6) वायुकाय के घर में पृथ्वीकाय के जीव (उत्कृष्ट गमक) से जाते है ______

7) अप्काय के घर में वायुकाय के जीव (जघन्य गमक) से जाते है ______

8) वनस्पतिकाय के घर में सन्नी तिर्यंच (जघन्य गमक) से जाते है ______

9) तेउकाय के घर में सन्नी मनुष्य (उत्कृष्ट गमक) से जाते है ______

III सही विकल्प चुनिए

10) संज्ञी मनुष्य वायुकाय के घर में उत्पन्न होते है तो अवगाहना लब्धि क्या होगी?

A) जघन्य अंगुल के असंख्यातवें भाग, उत्कृष्ट 500 धनुष

B) जघन्य अंगुल के असंख्यातवें भाग, उत्कृष्ट पृथक्त्व अंगुल

Scanned with CamScanner

C) जघन्य अंगुल के असंख्यातवें भाग, उत्कृष्ट अंगुल के असंख्यातवें भाग
D) इनमें से कोई नहीं

11) बेइंद्रिय के भव में वायुकाय का जीव उत्पन्न होता है तो समुद्घात लब्धि क्या होगी?
A) प्रथम 3 समुद्घात B) प्रथम 4 समुद्घात C) प्रथम 5 समुद्घात D) इनमें से कोई नहीं

12) तिर्यञ्च पंचेंद्रिय के भव में जो देव उत्पन्न होते है तो उपपात लब्धि क्या होगी?
A) जघन्य अन्तर्मुहूर्त, उत्कृष्ट ईशान करोड़ पूर्व B) जघन्य पृथक्त्व मास, उत्कृष्ट करोड़ पूर्व
C) जघन्य अन्तर्मुहूर्त, उत्कृष्ट करोड़ पूर्व D) जघन्य पृथक्त्व मास, उत्कृष्ट ईशान करोड़ पूर्व

13) मनुष्य के भव में पाँचवीं पृथ्वी के नैरयिक उत्पन्न हो तो संस्थान लब्धि क्या होगी?
A) वज्र संस्थान, उत्तर वैक्रिय हुण्डक संस्थान B) हुण्डक संस्थान, उत्तर वैक्रिय वज्र संस्थान
C) हुण्डक संस्थान, उत्तर वैक्रिय हुण्डक संस्थान D) इनमें से कोई नहीं

IV कालादेश बताईए।

14) सातवीं पृथ्वी के नैरयिक तिर्यञ्च पंचेंद्रिय के भव में उत्पन्न हो तो
14) पहले गमक से जघन्य कालादेश _____
15) तीसरे गमक से उत्कृष्ट कालादेश _____
16) पाचवें गमक से उत्कृष्ट कालादेश _____
17) आठवें गमक से जघन्य कालादेश _____
18) नौवें गमक से उत्कृष्ट कालादेश _____

Scanned with CamScanner

10)

विषय :- बंध उदय उदीरणा सत्ता का चौकड़ा

V सही विकल्प चुनिए

19) 120 बंध योग्य प्रकृतियों में से मोहनीय व वेदनीय कर्म की कितनी-कितनी प्रकृतियाँ है?

(A) (28, 4) (B) (26, 4) (C) (28, 2) (D) (26, 2)

20) पाँचवे गुणस्थान व चौथे गुणस्थान में कितने प्रकृतियों का बंध विच्छेद हो जाता है?

A) (10, 4) B) (6, 4) C) (4, 10) D) (4, 6)

21) आठवें गुणस्थान के पहले भाग व सातवें भाग में कितने प्रकृतियों का बंध विच्छेद हो जाता है?

A) (2, 4) B) (4, 2) C) (2, 6) D) (6, 2)

22) नौवें गुणस्थान के पहले व तीसरे भाग में बंध योग्य प्रकृतियाँ कितनी है?

A) (24, 20) B) (21, 20) C) (22, 20) D) इनमें से कोई नहीं

VI सही या गलत

23) कषायों को उत्तेजित करने वाली प्रकृतियों का उदय विच्छेद होने के पश्चात् क्रमशः कषायों का भी उदय विच्छेद हो जाता है?

Scanned with CamScanner

24) सास्वादन एवं उपशम सम्यक्त वाला जीव काल करके एकेन्द्रिय व विकलेन्द्रिय जीवों में उत्पन्न हो सकता है?

25) सम्यक्त्व मोहनीय का उपशम या सत्ता विच्छेद होने पर ही जीव उपशम श्रेणी आरोहण कर सकता है?

26) चरमशरीरी जीव के वज्रऋषभनाराच या नाराच संहनन में से किसी एक का उदय हो सकता है?

VII इन कर्म प्रकृतियों की सत्ता (क्षपक श्रेणी की अपेक्षा) किस गुणस्थान/मार्गा तक होती है?

27) संज्वलन माया ____ 28) अरति ____

29) सम्यक्त्व मोहनीय ____ 30) नपुंसक वेद ____

31) प्रत्याख्यानावरण चतुष्क ____ 32) संज्वलन लोभ ____

सही उत्तर :-

1) B 2) H 3) E 4) G 5) 3 6) 2 7) 4 8) 9 9) 3
10) A 11) B 12) C 13) C 14) 22 सागरोपम अधिक अन्तर्मुहूर्त
15) 66 सागरोपम अधिक 3 करोड़ पूर्व 16) 66 सागरोपम अधिक 3 अन्तर्मुहूर्त
17) 33 सागरोपम अधिक अन्तर्मुहूर्त 18) 66 सागरोपम अधिक 2 करोड़ पूर्व
19) D 20) C 21) A 22) C 23) सही 24) गलत 25) सही 26) गलत
27) 9/9 (या) 9 28) 9/5 29) – (होती नहीं) 30) 9/3 31) 9/2 32) 10

Scanned with CamScanner